मृदा अनुसंधान उत्कृष्टता केंद्र, थाईलैंड द्वारा आयोजित

4 दिवसीय मृदा चिकित्सक कार्यशाला

भूमि और कृषि प्रबंधन की स्थायी प्रथाओं के लिए मृदा चिकित्सक कार्यक्रम के विकास और प्रचार के लिए चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर साइल रिसर्च इन एशिया (सेसरा) और लैंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट बैंकाक द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में 10 देशों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया जिसमें भारत, थाईलैंड, लाओस, मंगोलिया, श्रीलंका, म्यामार, कंबोडिया, वियतनाम, फिलीपींस, चीन के विभिन्न संस्थानों, विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिको एवं प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यशाला का उद्घाटन सत्र में श्री बेन्जापोर्न चक्रनौत (भूमि विकास विभाग के महानिदेशक), डॉ. थोंगप्लु कोंगचन (स्थायी सचिव, कृषि एवं सहकारिता मंत्रालय), डॉ. थनावाट तेनसिन राजदूत (कृषि), श्री लुक्रेजिया कोन (कोऑर्डिनेटर, सेसरा) एवं आदि विशिष्ट व्यक्तियों ने सभा को सम्बोधित किया।

इसके उपरान्त अनुसन्धान गोष्ठी आयोजन किया गया जिसमें जलवायु परिवर्तन को कम करने और भोजन बढ़ाने के लिए मृदा कार्बनिक कार्बन का प्रबंधन, सतत् भूमि प्रबंधन को मुख्यधारा में लाने के लिए युग्मन प्रौद्योगिकी नवाचार जलवायु परिवर्तन के सन्दर्भ में नमक प्रभावित मृदा क्षेत्र, मृदा अपरदन के निदान के लिए सतत एवं मृदा प्रबन्धन आदि विषयों पर वार्ता हुई।

कार्यशाला में पतंजलि जैविक अनुसन्धान संस्थान, हरिद्वार के प्रतिभागी श्री पवन कुमार ने मृदा परिक्षण कीट (धरती का डॉक्टर),पतंजलि जैविक सीडी आदि का प्रदर्शन किया एवं इनके बारे के बारे में जानकारी दी गयी।

कार्यशाला में श्री पवन कुमार द्वारा पतंजलि में विभिन्न क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी गयी एवं परम पूज्य स्वामी रामदेव जी द्वारा योग को मानव जाति के उपहार के बारे में बताया गया।

परम पूज्य श्री आचार्य बालकृष्ण जी द्वारा आयुर्वेद, कृषि, डिजिटल एवं अन्य क्षेत्रों में किये जा रहे अभिनव कार्यों की जानकारी दी गयी। इस अवसर पर पतंजलि के माध्यम से संचालित दैनिक योगाहार कार्यक्रम की जानकारी भी दी गई। «

पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट में 500वां योगाहार दिवस पर धूमधाम से मनाया गया ऑनलाइन उत्सव

हरिद्वार, 15 सितम्बर। पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट में 500वां योगाहार दिवस ऑनलाइन उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस उत्सव की थीम जैविक खेती एवं समग्र पोषण को समर्पित थी। उत्सव को गूगल मीट और फेसबुक लाइव के माध्यम से आयोजित किया गया जिसमें देश के 17 राज्यों से 100 से अधिक लोग परिवार एवं संबंधियों सहित सम्मिलित हुए।

पतंजलि के विभिन्न संस्थानों के तत्वाधान में चलने वाले इस स्वैच्छिक कार्यक्रम में देशभर के 17 राज्यों के किसान, वैज्ञानिक, शिक्षक, विद्यार्थी और योगीजन भागीदारी निभाते हैं।

श्री रामकृष्ण रघुवंशी ने योगाहार को देश का एक सयुंक्त परिवार की संज्ञा दी। श्री रमेश चंद मेहरा एवं श्रीमती रंजना किन्हीकर ने विगत 500 दिनों में देश दुनिया से योगाहार कार्यक्रम में ऑनलाइन पधारे मुख्य अतिथियों और योगाचार्यों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। डॉ. विनोद कुमार भट्ट ने योगाहार के 20 सफल और प्रेरक किसानों पर बनी सफलता की कहानी के बारे में बताया। श्री कुलदीप उनियाल ने किसान, उपभोगता एवं जैविक गाँवो पर तैयार दस्तावेजों के बारे में प्रस्तुति दी। पोरी (पतंजलि ऑर्गेनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, हरिद्वार) की टीम से सुश्री अपूर्वा, सुश्री नीमा, श्री अक्षय, श्री अभिराज ने विगत 500 दिनों में पोरी कैम्पस की गतिविधियों और किसानों के संदेश की विडियो प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि श्री शरद वर्मा नर्मदापुरम एक प्रगतिशील किसान हैं। उन्होंने जैविक खेती और योगाहार से जुड़ने के लाभ सदन में साझा किए।

श्री पवन कुमार जी ने कार्यक्रम की थीम साझा की। श्री विवेक बेनीपुरी जी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी सदस्यों को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन श्री मुनिलाल यादव जी ने किया। अंत में दिनेश चंद्र सेमवाल ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। «